# INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.,

IN ASSOCIATION WITH

**THE DURGA DAS FOUNDATION,**

WELCOMES YOU TO

# वर्षा ऋतु संगीत संध्या

## २०२५

**media coverage**

# INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.,

IN ASSOCIATION WITH

**THE DURGA DAS FOUNDATION,**

WELCOMES YOU TO

# वर्षा ऋतु संगीत संध्या

# २०२५

OUR ANNUAL MONSOON CELEBRATIONS,

HELD IN HONOUR OF THE LATE MR. NAVJEEVAN KHOSLA.

ARTISTE:

**VIDUSHI KALAPINI KOMKALI – VOCAL**

ACCOMPANIED BY:

**SHAMBHUNATH BHATTACHARJEE – TABLA**

**CHETAN NIGAM – HARMONIUM**

VINITA GUPTA (HON. SEC) ANIL NEHRU (PRESIDENT)

**VENUE:**
NEWTON HALL,
STRAWBERRY FIELDS HIGH SCHOOL,
SECTOR 26, CHD.

**DATE & TIME:**
SATURDAY,
AUGUST 2ND, 2025,
6:30 PM

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

The Tribune

VOICE OF THE PEOPLE

## Striking a chord

Vocalist Vidushi Kalapini Komkali performs during Varsha Ritu Sangeet Sandhya organised at Strawberry Fields High School, Sector 26, Chandigarh, on Saturday. RAVI KUMAR PAGE 5

CHANDIGARH Tribune 02
CHANDIGARH | SUNDAY | 03 AUGUST 2025

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

The Tribune
VOICE OF THE PEOPLE

# Kalapini Komkali mesmeries with soulful recital

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, AUGUST 2

The Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das Foundation hosted a spellbinding evening of Hindustani classical music at 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya', held at the Strawberry Fields High School auditorium in Sector 26 here on Saturday.

Renowned vocalist Vidushi Kalapini Komkali mesmerised the audience with a monsoon-themed recital, beginning with 'Raag Miyan Malhar' and culminating in a soulful Kabir bhajan in 'Raag Bhairavi'. Her performance included compositions by her legendary father Pt Kumar Gandharva, along with traditional 'bandishes', 'tarana', 'thumri' and a folk bhajan — each capturing the spirit of the season with depth and elegance.

The concert was dedicated to the memory of Navjeevan Khosla, patron of Indian National Theatre, on his birth anniversary. Swami Brihitananda, secretary, Ramakrishna Mission, Chandigarh, honoured the artistes. Anil Nehru, president, and Vinita Gupta, honorary secretary of the Indian National Theatre, spoke on the occasion.

Kalapini, recipient of the Sangeet Natak Akademi Award, was accompanied by Chetan Nigam Joshi on harmonium and Shambhunath Bhattacharjee on tabla. The event drew a large audience of music lovers, offering a rich celebration of the monsoon through the timeless beauty of Indian classical music, said school director Atul Khanna.

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

दैनिक भास्कर

सिटी लाइफ 02-08-2025

# ‘लोग मेरे पेरेंट्स के संगीत की सुंदरता को मुझमें खोजते हैं तो यह बात अपने आप में सुंदर है’

**Chit Chat**

कलापिनी कोमकली को किसी परिचय की जरूरत नहीं। पंडित कुमार गंधर्व की लेगेसी को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने देश-विदेश में खूब नाम कमाया है। इंडियन नेशनल थिएटर के वर्षा ऋतु संगीत संध्या में परफॉर्म करने के लिए वे चंडीगढ़ पहुंची तो **शायदा** ने उनसे बात की संगीत, समाज और जीवन पर ...

सिटी रिपोर्टर|चंडीगढ़

**• इस बार चंडीगढ़ विजिट कुछ अलग है?**
- पिछली बार मैं अपनी बहन(प्रो. बीएन गोस्वामी की बेटी) मालविका के जाने के बाद श्रृद्धांजलि समारोह में आई थी। वो मौका ही अलग था। प्रोफेसर गोस्वामी और उनके परिवार के इस दुनिया से चले जाने के बाद मुझे लगा था कि जैसे अब चंडीगढ़ मेरे लिए पहले जैसा नहीं रहेगा। लेकिन इस आयोजन के लिए जब बुलावा आया तो अच्छा लगा कि यह शहर अब भी मुझे याद रख रहा है।

**• पिछले कुछ बरसों में संगीत किस तरह बदला है?**
- मैं खासतौर पर बताना चाहूंगी कि कोविड के दौरान ही संगीत के क्षेत्र में जो बदलाव आए वे अनोखे हैं। हम सब के पास तब खूब समय था। तो ऑनलाइन संगीत की क्लास शुरू हुई। दूरदराज बैठे लोगों से जुड़ने का यह आसान तरीका बहुत अच्छी तरह उभरा। मैं इसे टेक्निकल ब्लेसिंग कहूंगी। कोविड से शुरू हुआ सिलसिला अब भी जारी है।

**• पंडित कुमार गंधर्व की बेटी-शिष्या होना एक जिम्मेदारी के साथ-साथ उस लेगेसी को आगे लेकर चलने का तनाव भी होगा?**
- हां, तनाव तो रहता था, लेकिन बहुत शुरुआत में ही। मेरे माता-पिता की कला को मुझमें खोजा जाना, उस समय शायद मुझे थोड़ा परेशान करता हो, अब नहीं करता। मैंने समय के साथ सीखा कि लोग अगर मेरे पेरेंट्स की कला की सुंदरता को मुझमें खोजते हैं तो यह बात अपने आप में सुंदर है। मुझे इसका खयाल रखते हुए आगे बढ़ते जाना है। हालांकि सच यह भी है कि गुरु हमेशा बड़े ही रहते हैं।

**अपनी ओर से संगीत में कुछ नया जोड़ना भी आप चाहती होंगी?**
- देखिए, संगीत में कुछ भी नया जोड़ना, चाहने भर से ही संभव नहीं है। इसके लिए निरंतर प्रयास करना होता है। इसके लिए कोई कैलकुलेटेड समय तय नहीं किया जा सकता। यह किसी भी दिन, किसी भी समय घटित हो सकता है। हम तो बस अपनी ओर से सदा संगीत में बने रहने का प्रयास कर सकते हैं।

**• क्या आप घराना गायकी की शुद्धता व सीमाओं को मानती हैं?**
- मेरे पिता ने ग्वालियर घराने को आधार बनाकर जो शैली तैयार की उसमें अन्य सभी अच्छे रंग नजर आ जाते हैं। हमने उन्हीं से सीखा कि संगीत प्रेम है, जो किसी बंदिश में नहीं, बल्कि अनुशासन में पलता है। इसमें सुंदर चीजें मिलाते जाओ, लेकिन आधार को मजबूत रखो। यह और निखरता जाएगा। मैं इसी बात को अपनाकर चल रही हूं।

**• फिल्मों को लेकर क्या राय है ...?**
- मैं ओपन हूं। दो फिल्मों में गाया भी है। आगे मेरे मुताबिक कोई ऑफर होगा तो उसे करने में कोई हर्ज नहीं।

## खुद तय करना होगा कि संगीत हम किस के लिए रचते हैं

कलापिनी कोमकली पं. कुमार गंधर्व और वसुंधरा कोमकली की बेटी हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत में योगदान के लिए उन्हें 2023 में संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। हमने उनसे पूछा कि **क्या अवॉर्ड-सम्मान, कला-कलाकार के प्रोत्साहन के लिए जरूरी हैं**? इस पर वे बोलीं- हर इंसान का नजरिया अलग हो सकता है। मैं कहूंगी कि हम सबसे पहले खुद से पूछें कि हम संगीत किसके लिए रच रहे हैं? क्या किसी पहचान, सम्मान के लिए ? हमारी साधना का मकसद क्या है... इन सवालों के जवाब हर कलाकार जब खुद से पूछता है तो उसे अपना ध्येय स्पष्ट हो जाता है।

**पहले और आज के जमाने के गुरु का अनुशासन और सख्ती पर क्या कहेंगी?**

पहले तो बात ही अलग थी। लेकिन आज के समय में भी गुरु जो अनुशासन अपने शिष्य में रोपते हैं वह केवल संगीत को आगे बढ़ाने के लिए नहीं होता, बल्कि उनके पूरे व्यक्तित्व को आकार देने के लिए होता है। जरूरी नहीं कि गुरु डांट-फटकार कर ही सिखाए, वह एक सख्त नजर से भी अपनी बात कह देता है, जिसे शिष्य समझ ले।

दैनिक भास्कर

सिटी लाइफ 03-08-2025

# कलापिनी, हॉल के अंदर मेघ मल्हार गा रहीं थी, बाहर सचमुच की बारिश होने लगी

**Performance**

शनिवार को हुआ कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' में परफॉर्म किया क्लासिकल सिंगर विदुषी कलापिनी कोमकली ने।

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

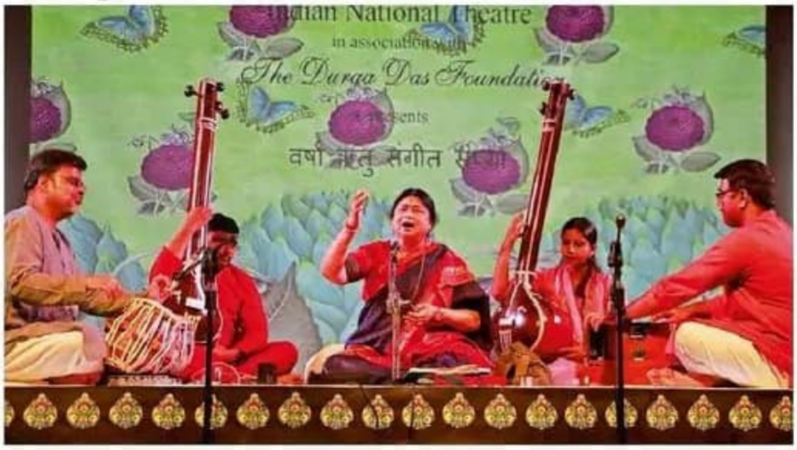


सेक्टर-26 के स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के ऑडिटोरियम में शनिवार को 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' कार्यक्रम हुआ। इसमें शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने परफॉर्म किया। इस संगीतमय संध्या को इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित करवाया गया। इसका उद्देश्य केवल वर्षा ऋतु का उत्सव मनाना नहीं था, बल्कि इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करना भी था। कलापिनी कोमकली ने अपनी संगीतमयी प्रस्तुति की शुरुआत अपने पिता पं. कुमार गंधर्व द्वारा रचित "कारे मेघा बरसत नाही रे" से की। इसके बाद उन्होंने रचना "जाजो रे बदरवा रे", "बोल रे पपीहरा" सुनाई। और तभी बाहर बारिश शुरू हो गई। कार्यक्रम का समापन उन्होंने कबीर की रचना- गगन घटा गहरानी से किया। कलापिनी यूं तो भारतीय शास्त्रीय संगीत में पारंगत हैं पर उन्होंने पहेली और देवी अहिल्या जैसी फिल्मों में भी गाया है। संगीत में योगदान के लिए उन्हें साल 2023 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कलापिनी कोमकली के साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर नवाज शम्भूनाथ भट्टाचार्जी ने संगत की। कार्यक्रम का संचालन अतुल दुबे ने किया। रामकृष्ण मिशन चंडीगढ़ के सेक्रेटरी स्वामी ब्रहितानंद ने मंच पर सभी कलाकारों को सम्मानित किया। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरु और मानद सेक्रेटरी विनिता गुप्ता भी इस दौरान मौजूद रहे।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

अमर उजाला

amarujala.com/chandigarh चंडीगढ़ | रविवार • 03.08.2025

अमर उजाला 02

# कलापिनी कोमकली ने वर्षा ऋतु संगीत संध्या में राग मियां मल्हार गाकर किया मंत्रमुग्ध

## इंडियन नेशनल थिएटर के कार्यक्रम में कलाकारों ने पेश किया शास्त्रीय गायन

संवाद न्यूज एजेंसी

स्ट्रॉबेरी फील्ड स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं विदुषी कलापिनी कोमकली। अमर उजाला

**चंडीगढ़।** सेक्टर-26 के स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल में इंडियन नेशनल थिएटर की ओर से वर्षा ऋतु संगीत संध्या का आयोजन किया गया। इसमें प्रख्यात शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने गायकी की प्रस्तुति दी।

इस मौके पर इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इंडियन नेशनल थिएटर के अध्यक्ष अनिल नेहरू और मानद सचिव विनिता गुप्ता ने इसे आत्मा को छू लेने वाली संगीतमय श्रद्धांजलि बताया। रामकृष्ण मिशन आश्रम सेक्टर-15 के सचिव स्वामी भितिहरानंद ने कलाकारों को सम्मानित किया।

कलापिनी कोमकली ने राग मियां मल्हार से गायन की शुरूआत की। इस राग में उन्होंने अपने पिता पं. कुमार गंधर्व द्वारा रचित विलंबित खयाल कारे मेघा बरसत नाही रे एक ताल में निबद्ध कर प्रस्तुत किया। इसके बाद उन्होंने मियां मल्हार की एक पारंपरिक रचना बोल रे पपीहरा की प्रस्तुति दी। अगली प्रस्तुति में उन्होंने राग जलधर देस में मेधा को ऋतु आयो रे गायन किया।

उन्होंने मिश्र तिलंग राग में एक ठुमरी और उसके बाद एक सुंदर लोक भजन ऋतु आई की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने राग भैरवी में निबद्ध कबीर भजन गगन घटा गहराई पेश किया।

कलापिनी कोमकली के साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर शम्भूनाथ भट्टाचार्य ने संगत की। कार्यक्रम का संचालन अतुल दुबे ने किया।

कलापिनी कोमकली, पं. कुमार गंधर्व और विदुषी वसुंधरा कोमकली की पुत्री एवं शिष्या हैं। वह भारत की श्रेष्ठ हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिकाओं में गिनी जाती हैं।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

# पंजाब केसरी

Chandigarh Kesari
Aug 03, 2025

पंजाब केसरी

kesari.in

चंडीगढ़ केसरी

रविवार SUNDAY, 3 अगस्त 2025

## मानसून की रूहानी भावना से श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

चंडीगढ़, 2 अगस्त (पाल): प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने वर्षा ऋतु संगीत संध्या में अपनी सशक्त और अत्यंत भावनात्मक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह संगीतमय संध्या इंडियन नैशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाऊंडेशन के सहयोग से सैक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबिरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के माध्यम से मानसून के आगमन का स्वागत किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल वर्षा ऋतु का उत्सव मनाना ही नहीं था, बल्कि इंडियन नैशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करना भी था। (राणा)

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

# दैनिक जागरण

## नए प्रयोग का स्वागत हमेशा करना चाहिए

स्पाइस रिपोर्टर, चंडीगढ़ : शास्त्रीय संगीत में लगातार प्रयोग किए जा रहे हैं। यह प्रयोग प्रस्तुति करने के तरीके, तकनीकी पक्ष, नई रचनाओं से लेकर मिश्रण आदि के रूप में होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि नया प्रयोग किसी के मन को भा जाता है और किसी को नहीं। इस मामले में मेरा यही कहना है कि हर किसी को नए प्रयोग का स्वागत करना चाहिए। यह समझना चाहिए कि कलाकार एक ही जगह रुके नहीं हैं, अपनी ओर से किसी न किसी तरह योगदान दे रहे हैं। शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली से जब नए-नए प्रयोग पर उनके नजरिए के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कुछ इन्हीं शब्दों में अपने विचार व्यक्त किए। वे वर्षा ऋतु संगीत संध्या कार्यक्रम के लिए शहर में पहुंची। जो सेक्टर-26 स्थित स्ट्राबेरी फील्डस हाई स्कूल के आडिटोरियम में हुआ। इसे इंडियन नेशनल थिएटर व दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से करवाया गया। गायिका संगीतज्ञ पंडित कुमार गंधर्व की बेटी और शिष्या हैं। जो संगीत की दुनिया में जाना-माना नाम है। संगीत परिवार से ताल्लुक रखना कितना मुश्किल लगता है? इस सवाल के जवाब में कलापिनी बोली- मुश्किल तो होता है। खासकर तब, जब बेटी के साथ-साथ शिष्या भी हो। लोगों की उम्मीद हमसे बढ़ जाती है। लोग तुलना भी कई बार करते हैं। अक्सर मुझे लगता है कि लोग अपनी जगह सही हैं।

कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण आवाज ने जगाई मानसून की रूहानी भावना, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध • जागरण

### पिता के दिखाए रास्ते पर चलना है

कलापिनी कोमकली ने बताया कि पिता से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनसे ही मैंने जाना है कि काम के प्रति ईमानदार कैसे रहना है, खुद को काम के लिए किस तरह से समर्पित करना है। मेहनत करने से कभी पीछे नहीं हटना है। मेरी कोशिश यही रहती है कि उनके दिखाए गए रास्ते पर चलूं। बता दें कि कलापिनी कोमकली ने पिता के अलावा माता विदुषी वसुधा कोमकली से भी सीखा। भारतीय शास्त्रीय में योगदान के लिए वर्ष 2003 में भारत सरकार ने इन्हें सम्मानित भी किया गया। संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से भी इन्हें नवाजा गया।

कार्यक्रम में दर्शक भी शामिल हुए • जागरण

### राग से लेकर भजन तक

कलापिनी कोमकली ने कार्यक्रम की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। इस राग में उन्होंने पिता पंडित कुमार गंधर्व की रचित रचना कारे मेघा बरसत नाही रे सुनाई। इसके बाद इसी राग मे जाजो रे बदरवा रे सुनाई। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने राग जलधर देस में रचना-मेघा को ऋतु आयो रे सुनाया। भजन ऋतु आई और गगन घटा गहराई भी सुनाया। इनका साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर शंभूनाथ भट्टाचार्जी ने दिया। मंच का संचालन अतुल दुबे ने किया।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

# अजीत समाचार

## इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

### हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण आवाज ने जगाई मानसून की रूहानी भावना, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

चंडीगढ़, 2 अगस्त (विशेष संवाददाता): प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' में अपनी सशक्त और अत्यंत भावनात्मक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह संगीतमय संध्या इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सैक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के माध्यम से मानसून के आगमन का स्वागत किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल वर्षा ऋतु का उत्सव मनाना ही नहीं था, बल्कि इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करना भी था। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेजिडेंट अनिल नेहरू और मानद सैक्रेटरी विनिता गुप्ता ने इसे आत्मा को छू लेने वाली संगीतमय श्रद्धांजलि बताया। स्वामी ब्रिहितानंद, जो कि रामकृष्ण मिशन चंडीगढ़ के सैक्रेटरी हैं ने मंच पर सभी कलाकारों को सम्मानित किया। प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली ने अपनी संगीतमयी प्रस्तुति की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। इस राग में उन्होंने अपने पिता पं. कुमार गंधर्व द्वारा रचित विलंबित खयाल 'कारे मेघा बरसत नाही रे' एक ताल में निबद्ध कर प्रस्तुत किया। स्वर और भाव की गहराई से ओतप्रोत इस बंदिश ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इसके पश्चात उन्होंने उसी राग में एक द्रुत रचना 'जाजो रे बदरवा रे' सुनाई, जो पुनः उनके पिता द्वारा ही रचित थी। फिर उन्होंने मियां मल्हार की एक पारंपरिक रचना 'बोल रे पपीहरा' को अत्यंत निपुणता और भावपूर्ण अंदाज में प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं से भरपूर सराहना मिली। इसके उपरांत उन्होंने एक प्रभावशाली तराना प्रस्तुत कर गायन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा करवाई गई 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' में अपनी प्रस्तुति देते हुए कलाकार।

फिर मिश्र तिलंग राग में एक ठुमरी और उसके बाद एक सुंदर लोक भजन 'ऋतु आई' की भावप्रवण प्रस्तुति दी, जिसमें लोक की मिठास और शास्त्र की गहराई एक साथ दृष्टिगोचर हुई। अंत में, उन्होंने राग भैरवी में निबद्ध कबीर भजन 'गगन घटा गहराई' के माध्यम से अपने गायन की सांगीतिक यात्रा का अत्यंत प्रभावशाली समापन किया। इस भजन की सूफियाना आत्मा और भाव की गहराई ने श्रोताओं को शांत, स्थिर और भीतर तक स्पंदित कर दिया। कलापिनी कोमकली, पं. कुमार गंधर्व और विदुषी वासुंधरा कोमकली की पुत्री एवं शिष्या, आज भारत की श्रेष्ठ हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिकाओं में गिनी जाती हैं। उनके संगीत में परंपरा की गहरी समझ के साथ-साथ रचनात्मक आत्ममंथन की झलक भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। बंदिशों पर उनकी पकड़, रागों की सूक्ष्म विस्तार-प्रक्रिया और सगुण-निर्गुण दोनों प्रकार के भजन प्रस्तुत करने की आध्यात्मिकता ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा दिलाई है। अपने मंचीय प्रदर्शन के अतिरिक्त, कलापिनी के स्टूडियो रिकॉर्डिंग्स में आरंभ, इनहेरिटेंस (एचएमवी), धरोहर (टाइम्स म्यूजिक), और स्वर-मंजरी (वर्जिन रिकॉर्ड्स) जैसे चर्चित एलबम शामिल हैं। उन्होंने पहेली और देवी अहिल्या जैसी फिल्मों के लिए संगीत भी दिया है। उनके योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2023 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कलापिनी कोमकली के साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी तथा तबले पर सुप्रसिद्ध तबला नवाज शम्भूनाथ भट्टाचार्जी ने बखूबी संगत की। कार्यक्रम का सुंदर संचालन अतुल दुबे ने किया। इस कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क था, जिससे सैंकड़ों संगीत प्रेमियों को प्रकृति की लय के साथ ताल मिलाते हुए शास्त्रीय संगीत का दुर्लभ आनंद प्राप्त हुआ।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
जगमार्ग
नई सोच, नई पहल

# इंडियन नेशनल थिएटर ने किया 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' का आयोजन

**हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण आवाज़ ने जगाई मानसून की रूहानी भावना**

जगमार्ग न्यूज

**चंडीगढ़।** प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' में अपनी सशक्त और अत्यंत भावनात्मक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

यह संगीतमय संध्या इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के माध्यम से मानसून के आगमन का स्वागत किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल वर्षा ऋतु का उत्सव मनाना ही नहीं था, बल्कि इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करना भी था। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेजिडेंट अनिल नेहरू और मानद सेक्रेटरी विनिता गुप्ता ने इसे आत्मा को छू लेने वाली संगीतमय श्रद्धांजलि बताया। स्वामी ब्रिहितानंद, जो कि रामकृष्ण मिशन चंड़ीगढ़ के सेक्रेटरी हैं ने मंच पर सभी कलाकारों को सम्मानित किया। प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली ने अपनी संगीतमयी प्रस्तुति की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। इस राग में उन्होंने अपने पिता पं. कुमार गंधर्व द्वारा रचित विलंबित खयाल 'कारे मेघा बरसत नाही रे' एक ताल में निबद्ध कर प्रस्तुत किया। इसके पश्चात उन्होंने उसी राग में एक द्रुत रचना 'जाजो रे बदरवा रे' सुनाई, जो पुनः उनके पिता द्वारा ही रचित थी। फिर उन्होंने मियां मल्हार की एक पारंपरिक रचना 'बोल रे पपीहरा' को अत्यंत निपुणता और भावपूर्ण अंदाज में प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं से भरपूर सराहना मिली।

अपनी अगली प्रस्तुति में उन्होंने राग जलधर देस का चयन करते हुए भावनाओं से परिपूर्ण रचना 'मेघा को ऋतु आयो रे' गायन किया, जिसने समूचे वातावरण को मानो बरसाती रागों की रसधारा से भर दिया। इसके उपरांत उन्होंने एक प्रभावशाली तराना प्रस्तुत कर गायन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। फिर मिश्र तिलंग राग में एक ठुमरी और उसके बाद एक सुंदर लोक भजन 'ऋतु आई' की भावप्रवण प्रस्तुति दी, जिसमें लोक की मिठास और शास्त्र की गहराई एक साथ दृष्टिगोचर हुई। अंत में, उन्होंने राग भैरवी में निबद्ध कबीर भजन 'गगन घटा गहराई' के माध्यम से अपने गायन की सांगीतिक यात्रा का अत्यंत प्रभावशाली समापन किया। इस भजन की सूफियाना आत्मा और भाव की गहराई ने श्रोताओं को शांत, स्थिर और भीतर तक स्पंदित कर दिया। कलापिनी कोमकली, पं. कुमार गंधर्व और विदुषी वासुंधरा कोमकली की सुपुत्री एवं शिष्या, आज भारत की श्रेष्ठ हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिकाओं में गिनी जाती हैं। उनके संगीत में परंपरा की गहरी समझ के साथ-साथ रचनात्मक आत्ममंथन की झलक भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

# ट्राई सिटी न्यूज़ लाईन

हिंदी समाचार पत्र

## इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

ट्राई सिटी न्यूज लाइन/विनय

चंडीगढ़ । प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' में अपनी सशक्त और अत्यंत भावनात्मक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह संगीतमय संध्या इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के माध्यम से मानसून के आगमन का स्वागत किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल वर्षा ऋतु का उत्सव मनाना ही नहीं था, बल्कि इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करना भी था। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेजिडेंट अनिल नेहरू और मानद सेक्रेटरी विनिता गुप्ता ने इसे आत्मा को छू लेने वाली संगीतमय श्रद्धांजलि बताया। आदरणीय स्वामी ब्रिहितानंद, जो कि रामकृष्ण मिशन चंडीगढ़ के सेक्रेटरी हैं ने मंच पर सभी कलाकारों को सम्मानित किया। प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली ने अपनी संगीतमयी प्रस्तुति की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। इस राग में उन्होंने अपने पिता पं. कुमार गंधर्व द्वारा रचित विलंबित खयाल 'कारे मेघा बरसत नाही रे' एक ताल में निबद्ध कर प्रस्तुत किया। स्वर और भाव की गहराई से ओतप्रोत इस बंदिश ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

इसके पश्चात उन्होंने उसी राग में एक द्रुत रचना 'जाजो रे बदरवा रे' सुनाई, जो पुनः उनके पिता द्वारा ही रचित थी। फिर उन्होंने मियां मल्हार की एक पारंपरिक रचना 'बोल रे पपीहरा' को अत्यंत निपुणता और भावपूर्ण अंदाज में प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं से भरपूर सराहना मिली। अपनी अगली प्रस्तुति में उन्होंने राग जलधर देस का चयन करते हुए भावनाओं से परिपूर्ण रचना 'मेघा को ऋतु आयो रे' गायन किया, जिसने समूचे वातावरण को मानो बरसाती रागों की रसधारा से भर दिया। इसके उपरांत उन्होंने एक प्रभावशाली तराना प्रस्तुत कर गायन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। फिर मिश्र तिलंग राग में एक ठुमरी और उसके बाद एक सुंदर लोक भजन 'ऋतु आई' की भावप्रवण प्रस्तुति दी, जिसमें लोक की मिठास और शास्त्र की गहराई एक साथ दृष्टिगोचर हुई।

अंत में, उन्होंने राग भैरवी में निबद्ध कबीर भजन 'गगन घटा गहराई' के माध्यम से अपने गायन की सांगीतिक यात्रा का अत्यंत प्रभावशाली समापन किया। इस भजन की सूफियाना आत्मा और भाव की गहराई ने श्रोताओं को शांत, स्थिर और भीतर तक स्पंदित कर दिया। कलापिनी कोमकली, पं. कुमार गंधर्व और विदुषी वासुंधरा कोमकली की सुपुत्री एवं शिष्या, आज भारत की श्रेष्ठ हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिकाओं में गिनी जाती हैं। उनके संगीत में परंपरा की गहरी समझ के साथ-साथ रचनात्मक आत्ममंथन की झलक भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। बंदिशों पर उनकी पकड़, रागों की सूक्ष्म विस्तार-प्रक्रिया और सगुण-निर्गुण दोनों प्रकार के भजन प्रस्तुत करने की आध्यात्मिकता ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा दिलाई है। अपने मंचीय प्रदर्शन के अतिरिक्त, कलापिनी के स्टूडियो रिकॉर्डिंग्स में आरंभ, इनहेरिटेंस (एचएमवी), धरोहर (टाइम्स म्यूजिक), और स्वर-मंजरी (वर्जिन रिकॉर्ड्स) जैसे चर्चित एलबम शामिल हैं। उन्होंने पहेली और देवी अहिल्या जैसी फिल्मों के लिए संगीत भी दिया है। उनके योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2023 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कलापिनी कोमकली के साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी तथा तबले पर सुप्रसिद्ध तबला नवाज शम्भूनाथ भट्टाचार्जी ने बखूबी संगत की।कार्यक्रम का सुंदर संचालन अतुल दुबे ने किया। इस कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क था, जिससे सैकड़ों संगीत प्रेमियों को प्रकृति की लय के साथ ताल मिलाते हुए शास्त्रीय संगीत का दुर्लभ आनंद प्राप्त हुआ।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

# PRE EVENT MEDIA COVERAGE

# The Tribune

VOICE OF THE PEOPLE

## WHAT'S ON

### CHANDIGARH

**Monsoon celebrations:** Indian National Theatre, in association with the Durga Das Foundation, to hold "Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025". Vocal artiste Vidhushi Kalapini Komkali, accompanied by tabla player Shambhunath Bhattacharjee and harmonium player Chetan Nigam, to perform; Newton Hall, Strawberry Fields High School, Sec 26, 6:30 pm

**Aaye Tum Yaad Hamein-6:** By Sursargam Kala Manch, Govt Arts Museum, Sector 10, 4.30 pm, entry free

### PANCHKULA

**Haryana CM to attend Kisan Samman Diwas:** PWD Guest House, 11 am; will distribute appointment letters to Group D staff, Indradhanush Auditorium, 2 pm

### APNI MANDI

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

दैनिक भास्कर

सिटी लाइफ 31-07-2025

Upcoming Event

# 2 अगस्त को होगी वर्षा ऋतु संगीत संध्या

चंडीगढ़ | इंडियन नेशनल थिएटर और दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से शास्त्रीय सांगीतिक कार्यक्रम वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025 का आयोजन अगस्त 2 को सेक्टर-26 के स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल में शाम 6.30 बजे होगा। यह कार्यक्रम हर साल स्व. नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए होता है। इसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतज्ञ विदुषी कलापिनी कोमकली परफॉर्म करेंगी। यह संगीतज्ञ पंडित कुमार गंधर्व की पुत्री और शिष्या हैं। इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर तबला नवाज़ शम्भूनाथ भट्टाचार्जी संगत करेंगे।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

अमर उजाला

# वर्षा ऋतु संगीत संध्या का आयोजन 2 को

**चंडीगढ़।** इंडियन नेशनल थियेटर और दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025 का आयोजन 2 अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल में होगा।

इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक रहे नवजीवन खोसला के जन्म तिथि पर श्रद्धांजलि स्वरूप इस कार्यक्रम का आयोजन होगा। इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू तथा मानद सचिव विनीता गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन शाम 6:30 बजे से किया जाएगा। विदुषी कलापिनी कोमकली हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत पेश करेंगी। विनीता गुप्ता ने बताया कि कलापिनी पंडित कुमार गंधर्व की पुत्री और शिष्या हैं। संवाद

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

# पंजाब केसरी

## वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2 अगस्त को

चंडीगढ़, 25 जुलाई (पाल) : इंडियन नैशनल थियेटर तथा दुर्गा दास फाऊंडेशन के सहयोग से शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम वर्षा ऋतु संगीत संध्या का आयोजन 2 अगस्त को सैक्टर-26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्डस हाई स्कूल के सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर इंडियन नैशनल थिएटर के प्रैजीडैंट अनिल नेहरू तथा आर्नरी सैक्रेटरी विनीता गुप्ता ने बताया कि शास्त्रीय संगीत संध्या का आयोजन शाम 6.30 बजे से आयोजित किया जाएगा, जिसमें शास्त्रीय संगीत की विख्या गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली अपने मधुर संगीत गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

# दैनिक जागरण

## ॥ प्रणाम ॥

### योग शिविर

- सुखना लेक और मनीमाजरा स्थित शिवालिक पार्क में सुबह पांच बजे से योग शिविर का आयोजन।

### मासिक काव्य गोष्ठी

- अभिव्यक्ति साहित्यिक संस्था की मासिक गोष्ठी सेक्टर-17 सेंट्रल स्टेट लाइब्रेरी में दोपहर दो बजे से।

### संगीत संध्या

- वर्षा ऋतु संगीत संध्या सेक्टर-26 स्थित स्ट्राबेरी फील्डस हाई स्कूल में शाम 6:30 बजे।

### नाटक

- महक दीयां तंदा की ओर से सेक्टर-18 टैगोर थिएटर में नाटक का मंचन समय शाम छह बजे।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

# दैनिक जागरण

## वर्षा ऋतु संगीत संध्या में विदुषी कलापिनी कोमकली देंगी प्रस्तुति

स्पाइस रिपोर्टर, चंडीगढ़ : हर साल सावन में वर्षा ऋतु संगीत संध्या कार्यक्रम आयोजित होता है। इसे इंडियन नेशनल थिएटर करवाता है। इस बार यह कार्यक्रम दो अगस्त को सेक्टर-26 स्थित स्ट्राबेरी फील्डस हाई स्कूल के आडिटोरियम में होगा। इसे दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से करवाया जा रहा है। इस बारे में इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू और आर्नरी सेक्रेटरी विनीता गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम शाम 6:30 बजे शुरू होगा। इसमें गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली प्रस्तुति देंगी। हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी और तबले पर नवा शम्भूनाथ भट्टाचार्य संगत करेंगे। कार्यक्रम का हिस्सा कोई भी बन सकता है। बता दें कि कलापिनी संगीत की दुनिया में जाना-माना नाम है। वे संगीतज्ञ पंडित कुमार गंधर्व की बेटी हैं।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

दैनिक ट्रिब्यून
आपकी आवाज़

# ‘वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025’ का आयोजन 2 को

**मनीमाजरा (चंडीगढ़) (हप्र) :** इंडियन नेशनल थियेटर तथा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम ‘वर्षा ऋतु संगीत संध्या-२०२५’ का आयोजन २ अगस्त को सेक्टर २६ स्थित स्ट्रॉबेरी फील्डस हाई स्कूल के सभागार में किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्षा के आगमन को हर्षोल्लास से मनाना और हर बार की तरह इंडियन नेशनल थियेटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला के जन्मदिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि देना भी है। इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू तथा ऑनरेरी सेक्रेटरी विनीता गुप्ता ने बताया कि शास्त्रीय संगीत संध्या का आयोजन शाम 6.30 बजे से किया जाएगा, जिसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विख्यात गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली अपने मधुर संगीत गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

# इंडियन नैशनल थिएटर का 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या' 2 अगस्त से

**सवेरा न्यूज/ राकेश**

चंडीगढ़, 25 जुलाईः इंडियन नैशनल थिएटर तथा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' का आयोजन 2 अगस्त को सैक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्डस हाई स्कूल के सभागार में आयोजित किया जाएगा। इंडियन नैशनल थिएटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू तथा आनरी सैक्रेटरी विनीता गुप्ता ने बताया कि शास्त्रीय संगीत संध्या का आयोजन शाम 6.30 बजे से आयोजित किया जाएगा, जिसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विख्या गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली अपने मधुर संगीत गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
# जगमार्ग
नई सोच, नई पहल

# इंडियन नेशनल थियेटर 2 अगस्त को करेगा वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025 का आयोजन

जगमार्ग न्यूज

**चंडीगढ़।** इंडियन नेशनल थियेटर तथा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' का आयोजन 2 अगस्त को सेक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम उदेद्श्य वर्षा के आगमन को हर्षोल्लास से मनाना और हर बार की तरह इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक रहे स्वर्गीय नवजीवन खोसला के जन्मतिथि पर उनको भाव पूर्ण श्रद्धांजलि देना भी है।

इस अवसर पर, इंडियन नेशनल थियेटर के प्रेसिडेंट अनिल नेहरू तथा आर्नरी सेक्रेटरी विनीता गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि शास्त्रीय संगीत संध्या का आयोजन शाम 6:30 बजे से आयोजित किया जाएगा, जिसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विख्या गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली अपने मधुर संगीत गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी।

विदुषी कलापिनी कोमकली के बारे में जानकारी देते हुए विनीता गुप्ता ने बताया कि कलापिनी एक अत्यंत मौलिक, मधुर और समृद्ध स्वर से सम्पन्न गायिका हैं जिन्हें भारत की सर्वश्रेष्ठ शास्त्रीय गायिकाओं में एक के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है। वह प्रख्यात संगीतज्ञ पंडित कुमार गंधर्व की पुत्री और शिष्या हैं और उन्होंने अपनी प्रतिष्ठित माता, विदुषी वसुधा कोमकली से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है। कलापिनी ने अपने विशिष्ट माता-पिता से न केवल संगीत की तकनीक और व्याकरण सीखा, बल्कि रचनात्मकता और चिंतन की क्षमता भी विरासत में पाई।

विनीता गुप्ता ने बताया कि उनकी संगीत परंपरा सबसे अधिक उनके बंदिशों के गायन, उनके भाव और अर्थ पर दिए गए विशेष ध्यान में प्रकट होती है। कलापिनी के पास रागों और बंदिशों का एक समृद्ध भंडार है, जिसे वे मालवा क्षेत्र के पारंपरिक लोक गीतों के प्रस्तुतीकरण के माध्यम से और भी समृद्ध करती हैं, जो उस क्षेत्र की लोक-संस्कृति और पारंपरिकता को दर्शाते हैं। उनके स्वर में प्रस्तुत सगुण-निर्गुण भजन - विभिन्न संत कवियों की रचनाएँ - एक वैराग्यपूर्ण स्वाद प्रदान करते हैं। उन्होंने आगे बताया कि उनकी स्टूडियो रिकॉर्डिंग के कमर्शियल एल्बमों में 'आरंभ' और 'इनहेरिटेंस' (एचएमवी द्वारा जारी), और 'धरोहर' (टाइम्स म्यूज़िक द्वारा जारी) शामिल हैं।

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

INDIAN NATIONAL THEATRE, CHD.

# Kalapini Komkali mesmeries with soulful recital

The monsoon-themed recital, beginning with 'Raag Miyan Malhar' and culminated in a soulful Kabir bhajan in 'Raag Bhairavi'

TRIBUNE NEWS SERVICE
Chandigarh, Updated At : 03:02 AM Aug 03, 2025 IST

Vocalist Vidushi Kalapini Komkali performs during the 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya' organized by Indian National Theatre in association with The Durga Das Foundation at Strawberry Field High School, Sector 26, Chandigarh on Saturday. TRIBUNE PHOTO: RAVI KUMAR

The Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das Foundation hosted a spellbinding evening of Hindustani classical music at 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya', held at the Strawberry Fields High School auditorium in Sector 26 here on Saturday.

Discover related topics
Indian Classical Music
Hindustani Classical Music
Indian Classical Singers
Indian Classical Singers Female

Renowned vocalist Vidushi Kalapini Komkali mesmerised the audience with a monsoon-themed recital, beginning with 'Raag Miyan Malhar'

IN FOCUS
'Worst part' over: Why tsunami warnings in Japan, Hawaii got downgraded
'CJI not post office; duty to forward misconduct materials to Prez, PM': SC
'Bangladeshis': Mob enters Muslim Kargil veteran's house in Pune, demands...
Chemistr who argu case for I murder g


# Renowned classical vocalist to perform at Varsha Ritu Sangeet Sandhya

*Speaking about Kalapini, Vinita Gupta, honorary secretary, said that Kalapini is a vocalist endowed with a melodious and richly textured voice and is widely recognised as one of India's finest vocalists.*

By: **Express News Service**

Chandigarh | July 30, 2025 21:09 IST

NewsGuard

2 min read

UPSC OFFER

thethreestatesnews

Friday, July 25, 2025

# 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' to be Held on August 2 in the City

**Renowned Classical Vocalist Vidushi Kalapini Komkali to enchant the audience with her melodious performance.**

**Chandigarh, July 25, 2025:** Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das foundation will present 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' on August 2 in the auditorium of Strawberry Fields High School, located in Sector 26 Chandigarh.

The purpose of this event is to joyously celebrate the arrival of the monsoon season through melodious raagaas pertaining to the rains , and, as every year, to pay a heartfelt tribute on the birth anniversary of Late Navjeevan Khosla, patron of Indian National Theatre.

On this occasion, Anil Nehru, President of the Indian National Theatre, and Vinita Gupta, Honorary Secretary, shared that the classical music concert would begin at 6:30 PM and the artiste for the evening would be Vidushi Kalapini Komkali .

Speaking about Vidushi Kalapini Komkali, Vinita Gupta said that Kalapini is a vocalist endowed with a melodious, and richly textured voice and is widely recognized as one of India's finest vocalists. She is the daughter and disciple of the legendary musician Pandit Kumar Gandharva.

She also received training from her illustrious mother, Vidushi Vasundhara Komkali.
Kalapini not only learned the techniques and grammar of music but also inherited a deep




Blog Archive

August 2025 (5)
July 2025 (11)
June 2025 (5)
May 2025 (7)
April 2025 (21)
March 2025 (13)
February 2025 (10)
January 2025 (18)
December 2024 (22)
November 2024 (3)
October 2024 (13)
September 2024 (32)
August 2024 (12)
July 2024 (13)
June 2024 (7)
May 2024 (8)
April 2024 (13)
March 2024 (13)
February 2024 (15)



About Me

today news

View my complete profile

# Varsha Ritu Sangeet Sandhya' organised by the Indian National Theatre

By Kanta Sharma - August 2, 2025 19

Like 0

Join us @Telegram

**"Hindustani classical vocalist Vidushi Kalapini Komkali's soulful vocal recital evoked the spirit of the monsoon, leaving the audience spellbound"**

**Chandigarh, August 2, 2025 –** Renowned Hindustani classical vocalist Vidushi Kalapini Komkali captivated audiences with a powerful and deeply expressive performance at 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025', organised by Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das Foundation.

The musical evening took place in the auditorium of Strawberry Fields High School, Sector 26, celebrating the arrival of the monsoon through the rich tradition of Indian classical music. Best headphones deals

The event was organized not only to celebrate the arrival of the monsoon but also to pay tribute to the late Navjeevan Khosla, patron of the Indian National Theatre, on his birth anniversary — a befitting homage through music that speaks directly to the soul, said Anil Nehru, President of the Indian National Theatre, and Vinita Gupta, Honorary Secretary.

Rev Swami Brihitananda ji( Secretary Ramakrishna mission Chd) honoured the artistes.

Renowned classical vocalist Kalapini Komkali commenced her captivating performance with Raag Miyan Malhar. She began with the vilambit (slow-tempo) khayal "Kaare Megha Barasat Nahi Re", set to Ektaal, a composition penned by her legendary father Pt. Kumar Gandharva. Rendered with depth and devotion, this piece deeply moved the audience.

She followed with a lively drut (fast-tempo) composition "Jajo Re Badarwa Re", also composed by Pt. Kumar Gandharva, continuing the monsoon theme. Then came a traditional bandish "Bol Re Papiha Re", also in Raag Miyan Malhar, which she presented with finesse and emotional clarity, earning wide appreciation from listeners.

Taking the musical narrative forward, she chose Raag Jaldhar Des to present the evocative composition "Megha Ko Ritu Aayo Re", a piece that beautifully captured the essence of the rainy season and enveloped the audience in a wave of emotion. Best headphones deals

Following this, she performed a vibrant tarana, showcasing rhythmic dexterity and musical command. She then moved into Raag Mishra Tilang, delivering a soulful thumri, followed by a melodious folk bhajan titled "Ritu Aayi", blending classical elegance with folk charm.

To conclude her recital, she chose the contemplative Raag Bhairavi and presented a stirring Kabir bhajan, "Gagan Ghata Gahraai". The mystical depth and spiritual undertone of this final piece left the audience spellbound, drawing the performance to a serene and profound close.

Kalapini Komkali, daughter and disciple of the legendary Pt. Kumar Gandharva and Vidushi Vasundhara Komkali, is celebrated as one of India's finest Hindustani classical vocalists. Her music reflects a profound understanding of tradition, coupled with creative introspection. Her command over bandish (compositions), intricate raga elaboration,

CHANDIGARH
Clear Sky
28.4 °C 28.4° 28.4°
71 % 3.7kmh 0 %
THU 28° FRI 34° SAT 31° SUN 30° MON 32°

FOLLOW US
FOLLOW US ON Google News

RECENT POSTS
PUDUMJEE Paper Products Ltd Profit Improves by 30% in 3 Months ended 30th
SEDL Signs MoU with the Republic of Burundi
NABARD to Celebrate National Handloom Day 2025 with Two-Day Exhibition in Mumbai
MSITEK Accelerates Next-Gen Retail Innov at SAP S.Market with AllGoVision's AI-Powered Surveillance
Tata Tea Premium Celeb Vibrant Spirit of Punjab with a Phulkari-Inspired Tribute
Sidak 2025 Chisels Next Global Sikh Leaders
Congress Misleading Public by Taking Credit Amid Alliance Confusion – AAP Councillor Anju Katyal Exposes False Claims
Punjab is making no effort to stop water from flowing into Pakistan– Vij
Union Jal Shakti Minister presides over pivotal meeting on Water Issue with Hry&Pb CM in Delhi
"Raksha For Nature" – A Rakhi Tied to Our Planet NGO Tammana

CHANDIGARH TRICITY · NATIONAL · INTERNATIONAL · LIFESTYLE · TECH · BLOG · DIGITAL PAGE · CONTACT

Home › Music › 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' to be Held on August 2 in...

Music

# 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' to be Held on August 2 in the City

By **Divya Azad** - July 26, 2025 · 117 · 0

Chandigarh

26 July 2025

**DIVYA AZAD**


Love Packed in a Box
Rakhi Gifting Made Easy
Make her Rakhi unforgettable with handpicked goodies wrapped in love
Saity
OPEN >


Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das foundation will present 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' on August 2 in the auditorium of Strawberry Fields High School, located in Sector 26 Chandigarh.

The purpose of this event is to joyously celebrate the arrival of the monsoon season through melodious raagaas pertaining to the rains , and, as every year, to pay a heartfelt tribute on the birth anniversary of Late Navjeevan Khosla, patron of Indian National Theatre.

On this occasion, Anil Nehru, President of the Indian National Theatre, and Vinita Gupta, Honorary Secretary, shared that the classical music concert would begin at 6:30 PM and the artiste for the evening would be Vidushi Kalapini Komkali .

Speaking about Vidushi Kalapini Komkali, Vinita Gupta said that Kalapini is a vocalist endowed with a melodious, and richly textured voice and is widely recognized as one of India's finest vocalists. She is the daughter and disciple of the legendary musician Pandit Kumar Gandharva.

She also received training from her illustrious mother, Vidushi Vasundhara Komkali.

Kalapini not only learned the techniques and grammar of music but also inherited a deep capacity for creativity and contemplation.

Vinita Gupta further stated that Kalapini's musical lineage is most evident in the emphasis on the rendering of the band hush (composition) and its expression and meaning. She has a rich repertoire of ragas and compositions, further enriched by her presentation of traditional folk

## MOST POPULAR

Blue Star launches a comprehensive range of affordable ACs in line...
Business · April 5, 2022

Pearl Academy offers 11-month courses for students and working professionals
Education · June 28, 2018

White Hill owners Gunbir Singh Sidhu and Manmord Sidhu are leaving...
Movies · October 18, 2017

'Mera Booth Sabse Mazboot' program by BJP Chandigarh
Chandigarh Tricity · February 28, 2019

Load more

- Advertisement -

Search

## HOT NEWS

Legal
Bar Council of Punjab and Haryana celebrated Constitution Day

Chandigarh Tricity
Canada committed to promoting relations between the two countries – Canadian...

Chandigarh Tricity
गाँव बडुआ में पानी की समस्या को लेकर आरोप प्रत्यारोप का...

Music
India celebrates Janamashtami and its 71st Independence Day with Live Wire...

Buzzing Chandigarh

Latest News

Home ‘Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025’ to be Held on August 2 in the City

# ‘Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025’ to be Held on August 2 in the City

buzzingchandigarh July 26, 2025

Chandigarh, July 25, 2025: Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das foundation will present ‘Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025’ on August 2 in the auditorium of Strawberry Fields High School, located in Sector 26 Chandigarh.

The purpose of this event is to joyously celebrate the arrival of the monsoon season through melodious raagaas pertaining to the rains , and, as every year, to pay a heartfelt tribute on the birth anniversary of Late Navjeevan Khosla, patron of Indian National Theatre.

# 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' to be Held on August 2 in the City

July 25, 2025

**Renowned Classical Vocalist Vidushi Kalapini Komkali to enchant the audience with her melodious performance.**

**Chandigarh, July 25, 2025:** Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das foundation will present 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' on August 2 in the auditorium of Strawberry Fields High School, located in Sector 26 Chandigarh.

The purpose of this event is to joyously celebrate the arrival of the monsoon season through melodious raagaas pertaining to the rains , and, as every year, to pay a heartfelt tribute on the birth anniversary of Late Navjeevan Khosla, patron of Indian National Theatre.

On this occasion, Anil Nehru, President of the Indian National Theatre, and Vinita Gupta, Honorary Secretary, shared that the classical music concert would begin at 6:30 PM and the artiste for the evening would be Vidushi Kalapini Komkali .

Speaking about Vidushi Kalapini Komkali, Vinita Gupta said that Kalapini is a vocalist endowed with a melodious, and richly textured voice and is widely recognized as one of India's finest vocalists. She is the daughter and disciple of the legendary musician Pandit Kumar Gandharva.

She also received training from her illustrious mother, Vidushi Vasundhara Komkali.
Kalapini not only learned the techniques and grammar of music but also inherited a deep capacity for creativity and contemplation.

Vinita Gupta further stated that Kalapini's musical lineage is most evident in the emphasis on the rendering of the band hush (composition) and its expression and meaning. She has a rich repertoire of ragas and compositions, further enriched by her presentation of traditional folk songs of the Malwa region, which reflect the local culture and heritage. The Sagun and Nirgun bhajans (devotional songs) she presents—are compositions of various saint-poets—which bring an ascetic and spiritual flavor to her music.
She also mentioned that Kalapini's commercial studio recordings include albums such as 'Aarambha' and 'Inheritance' (released by HMV), and 'Dharohar' (released by Times Music). Her live concert recording 'Swar-Manjari' was released by Virgin Records. Kalapini has also contributed to the soundtracks of the films 'Paheli' and 'Devi Ahilya'.
She is a recipient of the Sangeet Natak academy award which she received in 2023.

During the event, Kalapini Komkali will be accompanied on the harmonium by Chetan Nigam Joshi and on the tabla by Shambhunath Bhattacharjee.

Entry for music lovers to the 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya' will be free of charge.

SHARE

Comments

To leave a comment, click the button below to sign in with Google.

SIGN IN WITH GOOGLE

# 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' to be Held on August 2 in the City

By Ranjeet Singh Dhaliwal Punjab De Lehar News · Friday, July 25, 2025

'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' to be Held on August 2 in the City

Renowned Classical Vocalist Vidushi Kalapini Komkali to enchant the audience with her melodious performance.

Chandigarh 25 July ( Ranjeet Singh Dhaliwal ) : Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das foundation will present 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' on August 2 in the auditorium of Strawberry Fields High School, located in Sector 26 Chandigarh. The purpose of this event is to joyously celebrate the arrival of the monsoon season through melodious raagaas pertaining to the rains , and, as every year, to pay a heartfelt tribute on the birth anniversary of Late Navjeevan Khosla, patron of Indian National Theatre. On this occasion, Anil Nehru, President of the Indian National Theatre, and Vinita Gupta, Honorary Secretary, shared that the classical music concert would begin at 6:30 PM and the artiste for the evening would be Vidushi Kalapini Komkali. Speaking about Vidushi Kalapini Komkali, Vinita Gupta said that Kalapini is a vocalist endowed with a melodious, and richly textured voice and is widely recognized as one of India's finest vocalists. She is the daughter and disciple of the legendary musician Pandit Kumar Gandharva. She also received training from her illustrious mother, Vidushi Vasundhara Komkali. Kalapini not only learned the techniques and grammar of music but also inherited a deep capacity for creativity and contemplation. Vinita Gupta further stated that Kalapini's musical lineage is most evident in the emphasis on the rendering of the band hush (composition) and its expression and meaning. She has a rich repertoire of ragas and compositions, further enriched by her presentation of traditional folk songs of the Malwa region, which reflect the local culture and heritage. The Sagun and Nirgun bhajans (devotional songs) she presents—are compositions of various saint-poets—which bring an ascetic and spiritual flavor to her music. She also mentioned

# 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' to be Held on August 2 in the City

2 min read

2 weeks ago  by our Reporter

**Chandigarh, July 25, 2025:** Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das foundation will present 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025' on August 2 in the auditorium of Strawberry Fields High School, located in Sector 26 Chandigarh.

The purpose of this event is to joyously celebrate the arrival of the monsoon season through melodious raagaas pertaining to the rains , and, as every year, to pay a heartfelt tribute on the birth anniversary of Late Navjeevan Khosla, patron of Indian National Theatre.

On this occasion, Anil Nehru, President of the Indian National Theatre, and Vinita Gupta, Honorary Secretary, shared that the classical music concert would begin at 6:30 PM and the artiste for the evening would be Vidushi Kalapini Komkali .

Speaking about Vidushi Kalapini Komkali, Vinita Gupta said that Kalapini is a vocalist endowed with a melodious, and richly textured voice and is widely recognized as one of India's finest vocalists. She is the daughter and disciple of the legendary musician Pandit Kumar Gandharva.

She also received training from her illustrious mother, Vidushi Vasundhara Komkali.
Kalapini not only learned the techniques and grammar of music but also inherited a deep capacity for creativity and contemplation.

Vinita Gupta further stated that Kalapini's musical lineage is most evident in the emphasis on the rendering of the band hush (composition) and its expression and meaning. She has a rich repertoire of ragas and compositions, further enriched by her presentation of traditional folk songs of the Malwa region, which reflect the local culture and heritage. The Sagun and Nirgun bhajans (devotional songs) she presents—are compositions of various saint-poets—which bring an ascetic and spiritual flavor to her music.

She also mentioned that Kalapini's commercial studio recordings include albums such as 'Aarambha' and 'Inheritance' (released by HMV), and 'Dharohar' (released by Times Music). Her live concert recording 'Swar-Manjari' was released by Virgin Records. Kalapini has also contributed to the soundtracks of the films 'Paheli' and 'Devi Ahilya'.

She is a recipient of the Sangeet Natak academy award which she received in 2023.

During the event, Kalapini Komkali will be accompanied on the harmonium by Chetan Nigam Joshi and on the tabla by Shambhunath Bhattacharjee.

Entry for music lovers to the 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya' will be free of charge.

**Previous**
ਮੋਹਾਲੀ ਪ੍ਰੈਸ ਕਲੱਬ ਨੇ ਸੰਜੀਵ ਸ਼ਰਮਾ ਨੂੰ ਕਾਨੂੰਨੀ ਸਲਾਹਕਾਰ ਲਾਇਆ

**Next**
ਪਿਛਲੇ 10 ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ ਸਮਾਜ ਸੇਵਾ ਵਿੱਚ ਸਰਗਰਮ ਲੇਡੀਜ਼ ਗਰੁੱਪ ਓਲਡ ਇਜ਼ ਗੋਲਡ ਨੇ ਤੀਜ ਤਿਉਹਾਰ ਮਨਾਇਆ

## MORE STORIES

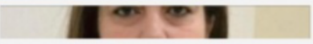

# Varsha Ritu Sangeet Sandhya' organised by the Indian National Theatre

By Ranjeet Singh Dhaliwal Punjab De Lehar News · Saturday, August 02, 2025

Varsha Ritu Sangeet Sandhya' organised by the Indian National Theatre

"Hindustani classical vocalist Vidushi Kalapini Komkali's soulful vocal recital evoked the spirit of the monsoon, leaving the audience spellbound"

Chandigarh 2 August ( Ranjeet Singh Dhaliwal ) : Renowned Hindustani classical vocalist Vidushi Kalapini Komkali captivated audiences with a powerful and deeply expressive performance at 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025', organised by Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das Foundation. The musical evening took place in the auditorium of Strawberry Fields High School, Sector 26, celebrating the arrival of the monsoon through the rich tradition of Indian classical music. The event was organized not only to celebrate the arrival of the monsoon but also to pay tribute to the late Navjeevan Khosla, patron of the Indian National Theatre, on his birth anniversary — a befitting homage through music that speaks directly to the soul, said Anil Nehru, President of the Indian National Theatre, and Vinita Gupta, Honorary Secretary. Rev Swami Brihitananda ji( Secretary Ramakrishna mission Chd) honoured the artistes. Renowned classical vocalist Kalapini Komkali commenced her captivating performance with Raag Miyan Malhar. She began with the vilambit (slow-tempo) khayal "Kaare Megha Barasat Nahi Re", set to Ektaal, a composition penned by her legendary father Pt. Kumar Gandharva. Rendered with depth and devotion, this piece deeply moved the audience. She followed with a lively drut (fast-tempo) composition "Jajo Re Badarwa Re", also composed by Pt. Kumar Gandharva, continuing the monsoon theme. Then came a traditional bandish "Bol Re Papiha Re", also in Raag Miyan Malhar, which she presented with finesse and emotional clarity, earning wide appreciation from listeners. Taking the musical narrative forward, she chose Raag Jaldhar Des to present the evocative composition "Megha Ko Ritu Aayo Re", a piece that beautifully captured the essence of the rainy season and enveloped the audience in a wave of emotion. Following this, she performed a vibrant tarana, showcasing rhythmic dexterity and musical command. She then moved into Raag Mishra Tilang, delivering a soulful thumri, followed by a melodious folk bhajan titled "Ritu Aayi", blending

# इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

**इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित**

**हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण आवाज़ ने जगाई मानसून की रूहानी भावना, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध**

चंडीगढ़, प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' में अपनी सशक्त और अत्यंत भावनात्मक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह संगीतमय संध्या इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के माध्यम से मानसून के आगमन का स्वागत किया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य केवल वर्षा ऋतु का उत्सव मनाना ही नहीं था, बल्कि इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करना भी था। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेजिडेंट अनिल नेहरू और मानद सेक्रेटरी विनिता गुप्ता ने इसे आत्मा को छू लेने वाली संगीतमय श्रद्धांजलि बताया।

आदरणीय स्वामी ब्रिहितानंद, जो कि रामकृष्ण मिशन चंड़ीगढ़ के सेक्रेटरी हैं ने मंच पर सभी कलाकारों को सम्मानित किया।

प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली ने अपनी संगीतमयी प्रस्तुति की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। इस राग में उन्होंने अपने पिता पं. कुमार गंधर्व द्वारा रचित विलंबित खयाल "कारे मेघा बरसत नाही रे" एक ताल में निबद्ध कर प्रस्तुत किया। स्वर और भाव की गहराई से ओतप्रोत इस बंदिश ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

इसके पश्चात उन्होंने उसी राग में एक द्रुत रचना "जाजो रे बदरवा रे" सुनाई, जो पुन: उनके पिता द्वारा ही रचित थी। फिर उन्होंने मियां मल्हार की एक पारंपरिक रचना "बोल रे पपीहरा" को अत्यंत निपुणता और भावपूर्ण अंदाज़ में प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं से भरपूर सराहना मिली।

अपनी अगली प्रस्तुति में उन्होंने राग जलधर देस का चयन करते हुए भावनाओं से परिपूर्ण रचना "मेघा को ऋतु आयो रे" गायन किया, जिसने समूचे वातावरण को मानो बरसाती रागों की रसधारा से भर दिया।

Our website uses cookies to improve your experience. Learn more
Accept !

कर गायन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। फिर मिश्र
लोक भजन "ऋतु आई" की भावप्रवण प्रस्तुति दी, जिसमें
ष्टिगोचर हुई।

Follow Us

Facebook | Twitter | YouTube | Instagram | LinkedIn | Instagram

Popular Posts

इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

एस.एम.एस. संधू का जोला कलां दौरा, लैंड पूलिंग पॉलिसी पर तीखा हमला

डेराबस्सी में सहेज क्लब द्वारा तीज महोत्सव का रंगारंग आयोजन, महिलाओं-बच्चों ने मचाया धमाल I With Audio

Comments

SANJAY
Kripya bheekh jaisa shabd prayog karke us musibat ...

Abu hasan
WhatsApp chat 8078642202

Md.Aphatab ahmad
Meri bibi pregnant hai or mere pas paise nhi hai

THE FILMWALA

**NewsFatafat 24×7**
5d ·

इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण... See more

Sohan Rawat 1 share

Like Comment Send Share

Sohan Rawat

Like Comment Send Share

# इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

**इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित**

**हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण आवाज़ ने जगाई मानसून की रूहानी भावना, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध**

चंडीगढ़, प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' में अपनी सशक्त और अत्यंत भावनात्मक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह संगीतमय संध्या इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के माध्यम से मानसून के आगमन का स्वागत किया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य केवल वर्षा ऋतु का उत्सव मनाना ही नहीं था, बल्कि इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करना भी था। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेजिडेंट अनिल नेहरू और मानद सेक्रेटरी विनिता गुप्ता ने इसे आत्मा को छू लेने वाली संगीतमय श्रद्धांजलि बताया।

आदरणीय स्वामी ब्रिहितानंद, जो कि रामकृष्ण मिशन चंड़ीगढ़ के सेक्रेटरी हैं ने मंच पर सभी कलाकारों को सम्मानित किया।

प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली ने अपनी संगीतमयी प्रस्तुति की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। इस राग में उन्होंने अपने पिता पं. कुमार गंधर्व द्वारा रचित विलंबित खयाल 'कारे मेघा बरसत नाही रे' एक ताल में निबद्ध कर प्रस्तुत किया। स्वर और भाव की गहराई से ओतप्रोत इस बंदिश ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

इसके पश्चात उन्होंने उसी राग में एक द्रुत रचना 'जाजो रे बदरवा रे' सुनाई, जो पुन: उनके पिता द्वारा ही रचित थी। फिर उन्होंने मियां मल्हार की एक पारंपरिक रचना 'बोल रे पपीहरा' को अत्यंत निपुणता और भावपूर्ण अंदाज़ में प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं से भरपूर सराहना मिली।

अपनी अगली प्रस्तुति में उन्होंने राग जलधर देस का चयन करते हुए भावनाओं से परिपूर्ण रचना 'मेघा को ऋतु आयो रे' गायन किया, जिसने समूचे वातावरण को मानो बरसाती रागों की रसधारा से भर दिया।

Our website uses cookies to improve your experience. Learn more

Accept !

[illegible] ली तराना प्रस्तुत कर गायन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। फिर मिश्र [illegible] ठुमरी और उसके बाद एक सुंदर लोक भजन 'ऋतु आई' की भावप्रवण प्रस्तुति दी, जिसमें [illegible] और शास्त्र की गहराई एक साथ दृष्टिगोचर हुई।

Follow Us

Facebook | Twitter | YouTube | Instagram | LinkedIn | Instagram

Popular Posts

इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

एस.एम.एस. संधू का जोला कलां दौरा, लैंड पूलिंग पॉलिसी पर तीखा हमला

डेराबस्सी में सहेज क्लब द्वारा तीज महोत्सव का रंगारंग आयोजन, महिलाओं-बच्चों ने मचाया धमाल I With Audio

Comments

SANJAY
Kripya bheekh jaisa shabd prayog karke us musibat ...

Abu hasan
WhatsApp chat 8078642202

Md.Aphatab ahmad
Meri bibi pregnant hai or mere pas paise nhi hai

THE FILMWALA

सिटीउदय

Advertisement
Click here



# इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा ‘वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025’ आयोजित

City uday August 3, 2025

- **हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण आवाज़ ने जगाई मानसून की रूहानी भावना, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध**

चंडीगढ़, 2 अगस्त, 2025 – प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने ‘वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025’ में अपनी सशक्त और अत्यंत भावनात्मक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह संगीतमय संध्या इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के माध्यम से मानसून के आगमन का स्वागत किया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य केवल वर्षा ऋतु का उत्सव मनाना ही नहीं था, बल्कि इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करना भी था। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेजिडेंट अनिल नेहरू और मानद सेक्रेटरी विनिता गुप्ता ने इसे आत्मा को छू लेने वाली संगीतमय श्रद्धांजलि बताया।

आदरणीय स्वामी ब्रिहितानंद, जो कि रामकृष्ण मिशन चंड़ीगढ़ के सेक्रेटरी हैं ने मंच पर सभी कलाकारों को सम्मानित किया।

प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली ने अपनी संगीतमयी प्रस्तुति की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। इस राग में उन्होंने अपने पिता पं. कुमार गंधर्व द्वारा रचित विलंबित खयाल "कारे मेघा बरसत नाही रे" एक ताल में निबद्ध कर प्रस्तुत किया। स्वर और भाव की गहराई से ओतप्रोत इस बंदिश ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

इसके पश्चात उन्होंने उसी राग में एक द्रुत रचना "जाजो रे बदरवा रे" सुनाई, जो पुन: उनके पिता द्वारा ही रचित थी। फिर उन्होंने मियां मल्हार की एक पारंपरिक रचना "बोल रे पपीहरा" को अत्यंत निपुणता और भावपूर्ण अंदाज़ में प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं से भरपूर सराहना मिली।

अपनी अगली प्रस्तुति में उन्होंने राग जलधर देस का चयन करते हुए भावनाओं से परिपूर्ण रचना "मेघा को ऋतु आयो रे" गायन किया, जिसने समूचे वातावरण को मानो बरसाती रागों की रसधारा से भर दिया।

इसके उपरांत उन्होंने एक प्रभावशाली तराना प्रस्तुत कर गायन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। फिर मिश्र तिलंग राग में एक ठुमरी और उसके बाद एक सुंदर लोक भजन "ऋतु आई" की भावप्रवण प्रस्तुति दी, जिसमें लोक की मिठास और शास्त्र की गहराई एक साथ दृष्टिगोचर हुई।

अंत में, उन्होंने राग भैरवी में निबद्ध कबीर भजन "गगन घटा गहराई" के माध्यम से अपने गायन की सांगीतिक यात्रा का अत्यंत प्रभावशाली समापन किया। इस भजन की सूफियाना आत्मा और भाव की गहराई ने श्रोताओं को शांत, स्थिर और भीतर तक स्पंदित कर दिया।

कलापिनी कोमकली, पं. कुमार गंधर्व और विदुषी वासुंधरा कोमकली की सुपुत्री एवं शिष्या, आज भारत की श्रेष्ठ हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिकाओं में गिनी जाती हैं। उनके संगीत में परंपरा की गहरी समझ के साथ-साथ रचनात्मक आत्ममंथन की झलक भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। बंदिशों पर उनकी पकड़, रागों की सूक्ष्म विस्तार-प्रक्रिया और सगुण-निर्गुण दोनों प्रकार के भजन प्रस्तुत करने की आध्यात्मिकता ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा दिलाई है।

अपने मंचीय प्रदर्शन के अतिरिक्त, कलापिनी के स्टूडियो रिकॉर्डिंग्स में आरंभ, इनहेरिटेंस ([illegible] स्वर-मंजरी (वर्जिन रिकॉर्ड्स) जैसे चर्चित एलबम शामिल हैं। उन्होंने पहेली और देवी अहिल्या जैसी फिल्मों के लिए संगीत भी दिया है। [illegible] में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कलापिनी कोमकली के साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी तथा तबले पर सुप्रसिद्ध त[illegible] नवाज़ शम्भूनाथ भट्टाचार्जी ने बखूबी संगत की।कार्यक्रम का सुंदर संचालन अतुल दुबे ने किया।

इस कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क था, जिससे सैकड़ों संगीत प्रेमियों को प्रकृति की लय के साथ ताल मिलाते हुए शास्त्रीय संगीत का दुर्लभ आनंद प्राप्त हुआ।

Please follow and like us: Follow Like Share Tweet Save

Buzzing Chandigarh

Latest News

Home > > Varsha Ritu Sangeet Sandhya' organised by the Indian National Theatre

# Varsha Ritu Sangeet Sandhya' organised by the Indian National Theatre

buzzingchandigarh August 02, 2025

Chandigarh, August 2, 2025 – Renowned Hindustani classical vocalist Vidushi Kalapini Komkali captivated audiences with a powerful and deeply expressive performance at 'Varsha Ritu Sangeet Sandhya 2025', organised by Indian National Theatre in collaboration with the Durga Das Foundation.

The musical evening took place in the auditorium of Strawberry Fields High School, Sector 26, celebrating the arrival of the monsoon through the rich tradition of Indian classical music.

The event was organized not only to celebrate the arrival of the monsoon but also to pay tribute to the late Navjeevan Khosla, patron of the Indian National Theatre, on his birth anniversary — a befitting homage through music that speaks directly to the soul, said Anil Nehru, President of the Indian National Theatre, and Vinita Gupta, Honorary

Citizen Awareness Group | Citizens Awareness Group | चण्डीगढ़ | पंजाब | राष्ट्रीय | हरियाणा

# इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

By admin@webkrafts - 2025-08-04 18 0

Share on Facebook Tweet on Twitter

इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण आवाज़ ने जगाई मानसून की रूहानी भावना, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

चंडीगढ़, 2 अगस्त, 2025 – प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' में अपनी सशक्त और अत्यंत भावनात्मक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह संगीतमय संध्या इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के माध्यम से मानसून के आगमन का स्वागत किया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य केवल वर्षा ऋतु का उत्सव मनाना ही नहीं था, बल्कि इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करना भी था। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेजिडेंट अनिल नेहरू और मानद सेक्रेटरी विनिता गुप्ता ने इसे आत्मा को छू लेने वाली संगीतमय श्रद्धांजलि बताया।

आदरणीय स्वामी ब्रिहितानंद, जो कि रामकृष्ण मिशन चंड़ीगढ़ के सेक्रेटरी हैं ने मंच पर सभी कलाकारों को सम्मानित किया।

प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली ने अपनी संगीतमयी प्रस्तुति की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। इस राग में उन्होंने अपने पिता पं. कुमार गंधर्व द्वारा रचित विलंबित खयाल "कारे मेघा बरसत नाही रे" एक ताल में निबद्ध कर प्रस्तुत किया। स्वर और भाव की गहराई से ओतप्रोत इस बंदिश ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

इसके पश्चात उन्होंने उसी राग में एक द्रुत रचना "जाजो रे बदरवा रे" सुनाई, जो पुन: उनके पिता द्वारा ही रचित थी। फिर उन्होंने मियां मल्हार की एक पारंपरिक रचना "बोल रे पपीहरा" को

Search

RECENT POSTS

पंजाब सरकार द्वारा अगले विधानसभा सत्र में प्रस्तावित वृक्ष संरक्षण अधिनियम अधूरा है : वटरुख फाउंडेशन

उत्तरकाशी आपदा पर बीजेपी चंडीगढ़ के उत्तराखंड प्रकोष्ठ अध्यक्ष भूपिंदर शर्मा ने जताया गहरा शोक

Important Meeting Held at BJP Office Kamlam to Ensure Success of 'Har Ghar Tiranga Abhiyan'

भारतीय सांस्कृतिक ज्ञान की ओर से आज सरकारी आदर्श उच्च विद्यालय, सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में कार्यक्रम आयोजित किया।

St Anne's in School Innovation Council

Mirror 365 - NEWS THAT MATTERS
Dear Friends, Mirror365 launches new logo animation for its web identity. Please view, LIKE and share. Best Regards
www.mirror365.com

Posted by Surinder Verma on Wednesday, June 17, 2020



# इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

By admin@webkrafts - August 4, 2025    24    0

Share on Facebook  Tweet on Twitter

KRÜSS Scientific
Contact Angle Measurement
Open

इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण आवाज़ ने जगाई मानसून की रूहानी भावना, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

चंडीगढ़, 2 अगस्त, 2025 – प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' में अपनी सशक्त और अत्यंत भावनात्मक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह संगीतमय संध्या इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के माध्यम से मानसून के आगमन का स्वागत किया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य केवल वर्षा ऋतु का उत्सव मनाना ही नहीं था, बल्कि इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करना भी था। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेजिडेंट अनिल नेहरू और मानद सेक्रेटरी विनिता गुप्ता ने इसे आत्मा को छू लेने वाली संगीतमय श्रद्धांजलि बताया।

आदरणीय स्वामी ब्रिहितानंद, जो कि रामकृष्ण मिशन चंड़ीगढ़ के सेक्रेटरी हैं ने मंच पर सभी कलाकारों को सम्मानित किया।

प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली ने अपनी संगीतमयी प्रस्तुति की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। इस राग में उन्होंने अपने पिता पं. कुमार गंधर्व द्वारा रचित विलंबित खयाल "कारे मेघा बरसत नाही रे" एक ताल में निबद्ध कर प्रस्तुत किया। स्वर और भाव की गहराई से ओतप्रोत इस बंदिश ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

इसके पश्चात उन्होंने उसी राग में एक द्रुत रचना "जाजो रे बदरवा रे" सुनाई, जो पुन: उनके पिता द्वारा ही रचित थी। फिर उन्होंने मियां मल्हार की एक पारंपरिक रचना "बोल रे पपीहरा" को अत्यंत निपुणता और भावपूर्ण अंदाज़ में प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं से भरपूर सराहना मिली।

अपनी अगली प्रस्तुति में उन्होंने राग जलधर देस का चयन करते हुए भावनाओं से परिपूर्ण रचना "मेघा को ऋतु आयो रे" गायन किया, जिसने समूचे वातावरण को मानो बरसाती रागों की

CHANDIGARH | डेडीकेशन एंड परफॉर्मेंस | मनोरंजन

# इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित।हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण आवाज़ ने जगाई मानसून की रूहानी भावना, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध।

dakshdarpan24.in · Aug 2, 2025 · 0

Spread the love

दक्ष दर्पण समाचार सेवा

चंडीगढ़, 2 अगस्त, 2025 – प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' में अपनी सशक्त और अत्यंत भावनात्मक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह संगीतमय संध्या इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय

SEARCH

Search

Our Visitor

Users Today : 336
Users Yesterday : 353
Users Last 7 days : 4217
Users Last 30 days : 13321
Users This Month : 3828
Users This Year : 35480
Total Users : 35481
Views Today : 340
Views Yesterday : 363
Views Last 7 days : 4528
Views Last 30 days : 15326
Views This Month : 4116
Views This Year : 44306
Total views : 44307
Who's Online : 1
Your IP Address : 106.221.82.58
Server Time : 2025-08-07
Powered By WPS Visitor Counter

RECENT POSTS

20:38 न को भुला देने वाली कौम एक दिन खुद मिट जाती है - घनश्याम दास।

bnnindia.in/इंडियन-नेशनल

# इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

kullbirsinghneggi@gmail.com

5 days ago

इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या-2025' आयोजित

Bharat News Network :;

हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली की भावपूर्ण आवाज़ ने जगाई मानसून की रूहानी भावना, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

चंडीगढ़, 2 अगस्त, 2025 – प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका विदुषी कलापिनी कोमकली ने 'वर्षा ऋतु संगीत संध्या 2025' में अपनी सशक्त और अत्यंत भावनात्मक प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह संगीतमय संध्या इंडियन नेशनल थिएटर द्वारा दुर्गा दास फाउंडेशन के सहयोग से सेक्टर 26 स्थित स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल के सभागार में आयोजित की गई, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा के माध्यम से मानसून के आगमन का स्वागत किया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य केवल वर्षा ऋतु का उत्सव मनाना ही नहीं था, बल्कि इंडियन नेशनल थिएटर के संरक्षक स्वर्गीय नवजीवन खोसला की जन्मतिथि पर उन्हें भावभीनी संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करना भी था। इंडियन नेशनल थिएटर के प्रेजिडेंट अनिल नेहरू और मानद सेक्रेटरी विनिता गुप्ता ने इसे आत्मा को छू लेने वाली संगीतमय श्रद्धांजलि बताया।

आदरणीय स्वामी ब्रिहितानंद, जो कि रामकृष्ण मिशन चंड़ीगढ़ के सेक्रेटरी हैं ने मंच पर सभी कलाकारों को सम्मानित किया।

प्रख्यात शास्त्रीय गायिका कलापिनी कोमकली ने अपनी संगीतमयी प्रस्तुति की शुरुआत राग मियां मल्हार से की। इस राग में उन्होंने अपने पिता पं. कुमार गंधर्व द्वारा रचित विलंबित खयाल "कारे मेघा बरसत नाही रे" एक ताल में निबद्ध कर प्रस्तुत किया। स्वर और भाव की गहराई से ओतप्रोत इस बंदिश ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

इसके पश्चात उन्होंने उसी राग में एक द्रुत रचना "जाजो रे बदरवा रे" सुनाई, जो पुन: उनके पिता द्वारा ही रचित थी। फिर उन्होंने मियां मल्हार की एक पारंपरिक रचना "बोल रे पपीहरा" को अत्यंत निपुणता और भावपूर्ण अंदाज़ में प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं से भरपूर सराहना मिली।

अपनी अगली प्रस्तुति में उन्होंने राग जलधर देस का चयन करते हुए भावनाओं से परिपूर्ण रचना "मेघा को ऋतु आयो रे" गायन किया, जिसने समूचे वातावरण को मानो बरसाती रागों की रसधारा से भर दिया।

इसके उपरांत उन्होंने एक प्रभावशाली तराना प्रस्तुत कर गायन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। फिर मिश्र तिलंग राग में एक ठुमरी और उसके बाद एक सुंदर लोक भजन "ऋतु आई" की भावप्रवण प्रस्तुति दी, जिसमें लोक की मिठास और शास्त्र की गहराई एक साथ दृष्टिगोचर हुई।

अंत में, उन्होंने राग भैरवी में निबद्ध कबीर भजन "गगन घटा गहराई" के माध्यम से अपने गायन की सांगीतिक यात्रा का अत्यंत प्रभावशाली समापन किया। इस भजन की सूफियाना आत्मा और भाव की गहराई ने श्रोताओं को शांत, स्थिर और भीतर तक स्पंदित कर दिया।

कलापिनी कोमकली, पं. कुमार गंधर्व और विदुषी वासुंधरा कोमकली की सुपुत्री एवं शिष्या, आज भारत की श्रेष्ठ हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिकाओं में गिनी जाती हैं। उनके संगीत में परंपरा की गहरी समझ के साथ-साथ रचनात्मक आत्ममंथन की झलक भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। बंदिशों पर उनकी पकड़, रागों की सूक्ष्म विस्तार-प्रक्रिया और सगुण-निर्गुण दोनों प्रकार के भजन प्रस्तुत करने की आध्यात्मिकता ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा दिलाई है।

अपने मंचीय प्रदर्शन के अतिरिक्त, कलापिनी के स्टूडियो रिकॉर्डिंग्स में आरंभ, इनहेरिटेंस (एचएमवी), धरोहर (टाइम्स म्यूजिक), और स्वर-मंजरी (वर्जिन रिकॉर्ड्स) जैसे चर्चित एलबम शामिल हैं। उन्होंने पहेली और देवी अहिल्या जैसी फिल्मों के लिए संगीत भी दिया है। उनके योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2023 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कलापिनी कोमकली के साथ हारमोनियम पर चेतन निगम जोशी तथा तबले पर सुप्रसिद्ध तबला नवाज़ शम्भूनाथ भट्टाचार्जी ने बखूबी संगत की। कार्यक्रम का सुंदर संचालन अतुल दुबे ने किया।

इस कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क था, जिससे सैकड़ों संगीत प्रेमियों को प्रकृति की लय के साथ ताल मिलाते हुए शास्त्रीय संगीत का दुर्लभ आनंद प्राप्त

**Online Media Coverage**

https://indianexpress.com/article/cities/chandigarh/renowned-classical-vocalist-perform-varsha-ritu-sangeet-sandhya-10159844/#:~:text=She%20is%20a%20recipient%20of,Sector%2026%20at%206.30%20pm.&text=This%20article%20went%20live%20on,minutes%20past%20nine%20at%20night.

http://punjabdeleharnews.blogspot.com/2025/07/varsha-ritu-sangeet-sandhya-2025-to-be.html

https://www.chandigarhheadline.com/archives/5055

https://thethreestatesnews.blogspot.com/2025/07/varsha-ritu-sangeet-sandhya-2025-to-be.html

https://chandigarhdailynews.blogspot.com/2025/07/varsha-ritu-sangeet-sandhya-2025-to-be.html

http://www.buzzingchandigarh.com/2025/07/varsha-ritu-sangeet-sandhya-2025-to-be.html

http://www.worldwisdomnews.com/varsha-ritu-sangeet-sandhya-2025-to-be-held-on-august-2-in-the-city/

https://www.chandigarhcitynews.com/varsha-ritu-sangeet-sandhya-organised-by-the-indian-national-theatre/

http://punjabdeleharnews.blogspot.com/2025/08/varsha-ritu-sangeet-sandhya-organised.html

https://www.thefilmwala.in/2025/08/2025.html

https://www.facebook.com/share/p/1CqEtDhwrY/

https://www.thefilmwala.in/2025/08/2025.html

http://www.buzzingchandigarh.com/2025/08/varsha-ritu-sangeet-sandhya-organised.html

https://www.tribuneindia.com/news/chandigarh/kalapini-komkali-mesmeries-with-soulful-recital/

https://cityuday.com/indian-national-theatre-organizes-varsha-ritu-music-evening-2025/

https://chandigarhtoday.org/?p=76966

https://mirror365.com/%e0%a4%87%e0%a4%82%e0%a4%a1%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%a8-%e0%a4%a8%e0%a5%87%e0%a4%b6%e0%a4%a8%e0%a4%b2-%e0%a4%a5%e0%a4%bf%e0%a4%8f%e0%a4%9f%e0%a4%b0-%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0/

https://dakshdarpan24.in/archives/35440
[02/08, 11:56 pm] Sohan Rawat Impact Media: https://www.bnnindia.in/%e0%a4%87%e0%a4%82%e0%a4%a1%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%a8-%e0%a4%a8%e0%a5%87%e0%a4%b6%e0%a4%a8%e0%a4%b2-%e0%a4%a5%e0%a4%bf%e0%a4%8f%e0%a4%9f%e0%a4%b0-%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0/?amp=1

**Media Presentation by**

Impact Media PR™
Image Management

Impact Media PR-*Image Management™*

*ISO 9001:2015 Registration & Certificate Number:*
*QMS2024F85M744888641*

*Contact : +91 9041448901*

*sohan.rawat1295@gmail.com*